डी.ई.सी.ई

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं षिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रीय कार्य 1 से 3
(जनवरी 2023 एवं जुलाई 2023)

सतत् षिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य–1-3
जनवरी 2023 और जुलाई 2023

कार्यक्रम कोड : डी.ई.सी.ई

प्रिय विद्यार्थी,

इस डिप्लोमा कार्यक्रम में आपको तीन सत्रीय कार्य करने हैं। **ये तीनों सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।**

डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए आपको तीनों सत्रीय कार्यों में उत्तीर्ण होना आवष्यक है। प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं – भाग 'क', 'ख' एवं 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एवं 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20-20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीनों भाग अनिवार्य हैं। यदि कोई भाग छूट जाएगा तो आपका सत्रीय कार्य पूरा नहीं माना जाएगा और आपको अंक नहीं मिलेंगे। आपको सत्रीय कार्य दोबारा करना पड़ेगा।

तीनों सत्रीय कार्यों के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य का भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको प्रत्येक पाठ्य सामग्री के साथ मिल गई होगी। **प्रत्येक नियमावली में 9 से 10 अभ्यास हैं, जिसमें से आपको दो अभ्यास सत्रीय कार्य हेतु करने हैं।** प्रत्येक नियमावली में से कौन-से अभ्यास सत्रीय कार्य के लिए करने हैं, यह इस पुस्तिका में छपे सत्रीय कार्य के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनाओं को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे। **फिर भी हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी 9 या 10 अभ्यासों को करें।** ऐसा करने से आप बच्चों के साथ अंतःक्रिया करने के कौशल भी विकसित कर पाएंगे और परियोजना कार्य (यानी, पाठ्यम 4) करने में आपको सहायता मिलेगी। साथ ही, सभी अभ्यास करने के बाद आप मूल्यांकन के लिए वह प्रयोगात्मक अभ्यास भेज सकते हैं जो आपने बेहतर रूप से किया हो।

सत्रीय कार्यों का उद्देश्य : इन सत्रीय कार्यों का एक उद्देश्य यह मूल्यांकन करना है कि पाठ्यक्रमों में वर्णित संकल्पनाओं को आप कितनी अच्छा तरह समझ पाए हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'क' में दिए गए प्रश्नों से किया जाएगा। इन सत्रीय कार्यों का दूसरा लक्ष्य यह जानना भी है कि आप इन संकल्पनाओं को दिन-प्रतिदिन की स्थितियों में किस हद तक लागू कर सकते हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'ख' और 'ग' में बताए गए प्रयोगात्मक अभ्यासों से किया जाएगा। प्रयोगात्मक अभ्यासों द्वारा आपको बच्चों के विकास के बारे में समझने का अवसर मिलेगा और आप खंडों में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनों को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे।

सत्रीय कार्य से संबंधित बातें :

करें :

1) जैसे ही आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका मिले, आप उसे अच्छी तरह देख लें कि उसमें सभी पृष्ठ हैं या नहीं। यदि कोई पृष्ठ न हो तो उसके बारे में हमें सूचित करें।

2) सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करें।

3) सत्रीय कार्य जमा करने से पहले उसकी एक फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) अपने पास अवश्य रखें। यदि आपके द्वारा जमा किया गया सत्रीय कार्य किसी कारणवश खो जाता है तो आपसे उसकी फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) जमा करने के लिए कहा जाएगा।

4) हमारे पास भेजे गए सत्रीय कार्य और जाँचे गए पत्रकों का लेखा-जोखा रखें। यह आपको अपने कार्य की अनुसूची बनाने में सहायक होगा और आप उसी सत्रीय कार्य को दोबारा नहीं भेजेंगे।

न करें :

1) जाँचे गए उत्तर-पत्र को भेजने के लिए हमसे संपर्क/पत्र-व्यवहार न करें। जितनी जल्दी हो सकेगा हम जाँचे गए उत्तर-पत्र आपको भेज देंगे।

2) जाँचे जा चुके सत्रीय कार्य को गुम न होने दें। जब तक यह पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, तब तक आपको कभी भी इसकी ज़रूरत पड़ सकती है।

3) सत्रीय कार्य के साथ अपनी पुष्टि के लिए प्रश्न न भेजें। अगर आप हमारा ध्यान किसी महत्त्वपूर्ण या ज़रूरी बात की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें अलग से पत्र लिखकर बताइए। अपने पत्र के ऊपर अपना नाम, पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य संख्या, इत्यादि लिखें।

निर्देश :

सत्रीय कार्य करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक अवश्य लिखें।

2. अपने उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य का कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आप संबद्ध हैं।

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के उत्तर-पत्र का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से होगा :

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या .....
सत्रीय कार्य सं.	नाम .....
अध्ययन केंद्र	पता .....
	.....
	.....
	दिनांक .....

उपर्युक्त फॉरमेट का अनुसरण करें। ऐसा न किए जाने पर आपका सत्रीय कार्य आपको लौटा दिया जाएगा और उसे सही फॉरमेट में दुबारा जमा कराना पड़ेगा।

3. कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देशों को पढ़ें।

4. कृपया नोट करें कि यदि आप पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य निर्धारित समय से अपने अध्ययन केंद्र में नहीं जमा कराते हैं तो आपको पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. **इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' 'ख' और 'ग' को एक साथ संलग्न कर जमा कराएँ, अन्यथा आपका सत्रीय कार्य बिना जाँचे आपको लौटा दिया जाएगा।**

सत्रीय कार्य –01

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

कोर्स कोड : डी.ई.सी.ई – 1

सत्रीय काय कोड : डी.ई.सी.ई – 1 / TMA-1/2023

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि

जनवरी 2023 सत्र के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2023

जुलाई 2023 सत्र के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 मार्च, 2024

कुल अंक : 100

इस सत्रीय कार्य के सभी तीन खंड – (क), (ख) और (ग) अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दें। **60 अंक**

1. (क) विकास की दोनों दिशाओं –सिर से पैर (सेफलोकॉडल) और मध्य–से–बाहर (प्रोक्सिमोडिस्टल) को सपष्ट करते हुए उनके बारे में चर्चा कीजिए।

   (ख) जन्म से लकर एक वर्ष तक आयु के बच्चों में स्थूल क्रियात्मक विकास का वर्णन करें।

   (प्रत्येक 300 शब्द : 4+4=8 अंक)

2. चर साल की आयु के बच्चों मे निम्नलिखित क्षमताओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक गतिविधि का वर्णन करें।
   (क) पठन–पूर्व
   (ख) रचनात्मकता
   (ग) सूक्ष्म क्रियात्मक कौशल

   (प्रत्येक 300 शब्द : 3x3=9 अंक)

3. (क) 3–6 वर्ष की आयु के बच्चे के भाषायी कौशल का वर्णन करें।
   (ख) भाषा के विकास को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं ?

   (प्रत्येक 300 शब्द : 3+3=6 अंक)

4. बल देखभाल केंद्र की गतिविधियों मे माता–पिता को सम्मिलित करने के लिए, उन तक पहुंचने की किन्हीं दो तरीकों पर चर्चा करें।

   (प्रत्येक 500 शब्द : 5 अंक)

5. (क) पाठ्यचर्या की योजना बनाने में शामिल पांच चरणों की सूची बनाइए।
   (ख) दीर्घकालिक और अल्पकालिक लक्ष्य क्या होते हैं?

   (प्रत्येक 500 शब्द : 2+5=7 अंक)

6. बच्चों में आक्रामकता के किन्हीं तीन कारणों पर चर्चा करें?माता पिता बच्चों को समाजीकृत करने/आक्रामक व्यवहार से निपटने के लिए जिन तीन तरीको का इस्तेमाल कर सकते है, उनका वर्णन कीजिये।

   (500 शब्द : 5 अंक)

7. शालापूर्व(इसीसीई) केंद्र में जगह और खेल सामग्री का मूल्यांकन करते समय आपकिन बिंदुओं को ध्यान में रखेंगे? अपने उत्तरका समर्थन करने के लिए एक चेकलिस्ट बनाएं।

(500 शब्द : 5 अंक)

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक के बारे में लगभग 200 शब्दों में लिखिए।
   (क) परोपकारिता और समानुभूति
   (ख) शालापूर्व केंद्रमें भीतरी स्थान का मूल्यांकन करते समय ध्यान में रखने योग्य बिंदुए
   (ग) बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए कोई एक विधि
   (घ) विकास की निर्णायक अवधियाँ
   (ड) नवजात षिषु की क्षमताएं (प्रत्येक 300 शब्द : 3 x 5= 15 अंक)

भाग (ख)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के अवलोकन से संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यो की नियमावली में वर्णित 4,6 या 7 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं, तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं:

अभ्यास 4

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : बच्चे तथा माता–पिता का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना: **10 अंक**
अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **10अंक**

अभ्यास 6

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : बच्चे काअवलोकन करना तथा अवलोकनों का रिकार्ड करना : **10 अंक**
अवलोकनों को विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **10अंक**

अभ्यास 7

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित क्रियाएँ आयोजित करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना : **5+5= 10 अंक**
मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **5+5= 10 अंक**

भाग (ग)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के लिए क्रियाओं की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 5, 8या9 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपकोखेल क्रियाओं की योजना बनाने तथा उन्हें कार्यान्वित करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं:

अभ्यास 5

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : शिशु के साथ बनाए खिलौने के साथ खेलना और अवलोकनों को रिकार्ड करना: **10 अंक**
खेल क्रिया का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष लिखना : **10अंक**

अभ्यास 8

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : दो खेल क्रियाओं की योजना बनाना : **5+5= 10 अंक**
क्रियाएँ आयोजित करना व उनका विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना : **5+5= 10 अंक**

अभ्यास 9

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : त्यौहार का वर्णन करना: **2 अंक**
कमरे को पुनः व्यवस्थित करने के सुझाव देना: **6 अंक**
सप्ताह भर की गतविधियों की अनुसूची बनाना: **6 अंक**
गतिविधियों की अनुसूचियों का संक्षिप्त विवरण: **6 अंक**

सत्रीय कार्य –02
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

कोर्स कोड : डी.ई.सी.ई – 2
सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई–2/TMA-2/2023
कुल अंक : 100

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि
जनवरी 2023 सत्र के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2023
जुलाई 2023 सत्र के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 मार्च, 2024

इस सत्रीय कार्य के सभी तीन खंड – (क), (ख) और (ग) अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रष्नों के उत्तर दें। **60 अंक**

9. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए

(300 शब्द : 3 x 4= 12 अंक)

(क) स्वास्थ्य का स्पैक्ट्रम

(ख) भोजन का पाचन

(ग) प्रसवपूर्व देखभाल

(घ) पूरक आहार

(ड) जीरोप्थैलमिया

10. भारत की ग्रामीण स्वास्थ्य वितरण प्रणाली का वर्णन कीजिए।

(600 शब्द : 6 अंक)

11. किन्हीं दो स्थूल पोषक तत्वों एवं दो सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रमुख स्रोतों और कार्यो की सूची बनाएं।

(800 शब्द : 12 अंक, {3 अंक प्रत्येक पोषक तत्व })

12. एक षिषु के लिए एक दिन का संतुलित आहार मेनू सुझाएं। यह भी लिखे कि षिषु दिन के अलग–अलग समय में क्या खायेगा। साथ ही यह भी बताएं कि मेनू में दिए गए प्रत्येक खाद्य पदार्थ से षिषु को कौन–सा पोषक तत्व मिलेगा।

(600 शब्द : 6 अंक)

13. (क) गर्भावस्था के दौरान गर्भवती माताओं द्वारा अनुभव किए जाने वाले शारीरिक परिवर्तनों पर प्रकाष डालिए।

(ख) प्रसव के बाद माता के स्वास्थ्य परीक्षण एवं देखभाल के विषय में लिखिए।

(300 शब्द : 3 + 3= 6 अंक)

14. निम्नलिखित पर संक्षेप में चर्चा कीजिएः

(क) वजन चार्ट

(ख) ऊपरी बॉह के मध्य भाग की परिधि (घेरा) मापन

(प्रत्येक 300 शब्द : 3 + 3= 6 अंक)

15. निम्नलिखित खाद्य अनुपूर का कार्यक्रमों के बारे में लिखें

(क) आईसीडी एस

(ख) मिड–डे–मील (प्रत्येक 300 शब्द : 3 + 3= 6 अंक)

16. निम्नलिखित बाल्यावस्था रोगों में से किन्ही दो के लक्षण, कारण तथा उपचार के बारे में संक्षेप में लिखिए।

(क) श्वसनीषोथ

(ख) काली खांसी

(ग) प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण

(घ) खून की कमी

(प्रत्येक 150 शब्द : 3 x 2= 6 अंक)

भाग (ख) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-2 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए हैं।

अभ्यास संख्या 2 या 3 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन दोनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पष्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्षदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं। यदि किसी अभ्यास के अंक 20 से अधिक है तो परामर्शदाता पूरे अभ्यास को पढ़ने के बाद अंकों को 20 में से परिवर्तित कर देगी।

भाग (ग) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-2 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए हैं। अभ्यास संख्या 5, 6 या 7 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन दोनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पष्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्शदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।

सत्रीय कार्य –03
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

कोर्स कोड : डी.ई.सी.ई – 3
सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई–3/TMA-2/2023
कुल अंक : 100

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि
जनवरी सत्र के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2023
जुलाई सत्र के लिए सत्रीय कार्य करने की अंतिम तिथि : 30 मार्च, 2024

इस सत्रीय कार्य के सभी तीन खंड – (क), (ख) और (ग) अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रष्नों के उत्तर दें। **60 अंक**

17. निम्नलिखित में से प्रत्येक को लगभग 300 शब्दों में संक्षेप में समझाइएः

    (क) किंडरगार्टन की मुख्य विषेषताएं

    (ख) मोंटेसरी पद्धति की सीमाएं

    (ग) मोहनदास कर्मचंद गांधी के शैक्षिक दर्षन की बुनियादी अवधारणाऐं।

    (घ) टैगोर के षिक्षण के तीन तरीके

    (प्रत्येक 300 शब्द : 2.5+2.5 = 5 अंक)

18. इन संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली बाल सेवाओं की व्याख्या करें।

    (क) राष्ट्रीय जन सहयोग और बाल विकास संस्थान

    (ख) केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड

    (प्रत्येक 250 शब्द : 3 x 4= 12 अंक)

19. अपंग बच्चों के संदर्भ में अषिक्षित बनाम अषिक्षणीय की धारणा पर चर्चा करें।

    (600 शब्द : 6 अंक)

20. क्षति के विभिन्न कारणों का वर्णन कीजिए

    (600 शब्द : 6 अंक)

21. माता–पिता की किन्हीं तीन अभिवृत्तियों का वर्णन कीजिए जो अक्षमता के प्रति बच्चे के समायोजन के आड़े आती हैं।

    (500 शब्द : 5 अंक)

22. (क) मानसिक मंदता वाले बच्चे की मुख्य विषेषताओं का वर्णन करें।

(ख) वे कौन से तरीके हैं जिनके द्वारा आप दृष्टि दोष बच्चे को भाषा कौषल प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं ?

(प्रत्येक 300 शब्द : 4 + 4= 8 अंक)

23. निम्नलिखित में से प्रत्येक के बारे में लगभग 300 षब्दों में संक्षेप में लिखिए।

(क) स्वलीनता

(ख) डर और फोबिया/दुर्भीति

(क) श्रवण दोष के कारण

(क) संचार के तत्व

(300 शब्द : 3 x 4= 12 अंक)

24. समुदाय कार्यनीति को लागू करने के तीनों चरणों की व्याख्या कीजिए।

(प्रत्येक 600 शब्द : 3 x 5= 15 अंक)

भाग (ख) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-3 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए अभ्यास संख्या 1, 2, 9 या 10 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन चारों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्शदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।

भाग (ग) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-3 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए अभ्यास संख्या 6, 7 या 8 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन तीनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्षदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।